विद्या आश्रम
वार्षिक रिपोर्ट
अप्रैल 2018 – मार्च 2019

इस वर्ष देश के किसान-समाज की बदहाल स्थिति और इसके प्रति सरकारों एवं राजनीतिक दलों की बेरुखी और गैर-जिम्मेदाराना रवैया राष्ट्रीय बहस का मुद्दा बना. विद्या आश्रम ने पहल लेकर किसान-समाज के साथ जगह-जगह आय के सवाल पर ज्ञान पंचायतें की. किसान-समाज के हर परिवार को सरकारी कर्मचारी के जैसी पक्की और नियमित आय मिले तभी यह समाज बदहाली से बाहर निकल सकता है, इस आवाज़ को बुलंद करने का लक्ष्य लोकविद्या जन आन्दोलन ने अपने सामने रखा. मार्च-अप्रैल 2019 में हुए लोकसभा चुनावों के संदर्भ में इस वर्ष विद्या आश्रम ने सबको सरकारी कर्मचारी के बराबर आय और सामाजिक न्याय की बुनियाद पर 'स्वराज के विचार पर समाज में वार्ता और विमर्श' को एक महत्वपूर्ण कार्य बनाया और ज्ञान पंचायतों में सामने लाने का कार्यक्रम बना. देखें लोजआ ब्लॉग 6 जुलाई 2018 विभिन्न स्थानों पर जाकर इन विषयों को रखा. नीचे कुछ प्रमुख गतिविधियों की चर्चा की गई है. अंत में फोटो संलग्न हैं.

1. लोकविद्या जन आन्दोलन :
   - मार्च 2018 में वाराणसी में हुए 'अंग्रेजी हटाओ लोकभाषा बढाओ' सम्मलेन की आयोजन समिति की बैठक 2 अप्रैल 2019 को विद्या आश्रम पर हुई. बैठक में सम्मलेन के बाद कार्य के लक्ष्य और नीति तय करने के बारे में बात हुई.
   - उत्तर प्रदेश सरकार ने यह निर्णय लिया कि प्रदेश के 5000 प्राथमिक विद्यालयों में अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई शुरू करने का ऐलान किया जिसके विरोध में शहर के सामाजिक संगठनों ने मिलकर वाराणसी के लहुरावीर चौराहे पर विरोध सभा की जिसमें लोकविद्या जन आन्दोलन की भागीदारी रही.
   - 29 अप्रैल 2018 को ग्राम सलारपुर में वाराणसी ज्ञान पंचायत का आयोजन हुआ 'जिसमें किसान और कारीगर समाजों के हर परिवार में सरकारी कर्मचारी के जैसी पक्की और नियमित आय हो' के विषय पर किसानों और कारीगरों ने अपनी राय रखी. प्रति माह ये ज्ञान पंचायत आयोजित करने का निर्णय लिया और इन्हें आयोजित किया गया. वर्ष के अंत में सलारपुर में वाराणसी ज्ञान पंचायत के स्थान पर स्थित जगदेव प्रसाद की मूर्ति स्थल का चबूतरा पक्का बनाने में सहयोग किया.
   - विद्या आश्रम पर 17 जुलाई को भारतीय किसान यूनियन का राष्ट्रीय शिविर आयोजित हुआ. लगभग 150 किसानों की भागीदारी के साथ इस शिविर में प्रदेश के कई जिला अध्यक्ष एवं पदाधिकारी शामिल हुए. वर्ष भर भा.कि.यू. के अनेक कार्यक्रमों में विद्या आश्रम का सहयोग रहा और वाराणसी जिले के किसानों के साथ अनेक कार्यक्रमों में भागीदारी हुई. 8 अप्रैल को वाराणसी मण्डल इकाई की चंदौली में बैठक हुई जिसमें संगठन और कार्यनीति पर विचार हुआ. प्रदेश संगठन की लखनऊ बैठक में वाराणसी मण्डल की भागीदारी हुई. 25 जुलाई को गाँव महरखां, चंदौली में हुई किसान पंचायत में चंदौली भा.कि.यू. की जिला इकाई के लिए अध्यक्ष का चुनाव हुआ जिसमें

वाराणसी जिला अध्यक्ष लक्ष्मण प्रसाद शामिल हुए. हरिद्वार (16 – 18 जून 2018) और प्रयाग (17 जनवरी 2019) की राष्ट्रिय पंचायतों में वाराणसी के किसानों की भागीदारी रही. धान की ख़रीद को सुचारू होने के लिए यूनियन के पदाधिकारियों की हुई बैठकों में लक्ष्मण प्रसाद की भागीदारी हुई. वाराणसी में साझा संस्कृति मंच की पहल पर आयोजित किसानों की स्थिति पर धरने में भागीदारी हुई.

- प्रेमचंद जयंती (31 जुलाई) के अवसर पर आश्रम के सामने स्थित चिंतन ढाबा पर बैठकर उनकी कहानी 'मंत्र' का पाठ हुआ। पाठ के बाद कहानी पर चर्चा हुई जिसमें सभी ने भाग लिया। कहानी के एक पात्र डा. चड्ढा आधुनिक विद्या का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं तो दूसरे मुख्य पात्र, भगत लोकविद्या का। डाक्टर साहब अपनी विद्या के दम्भ में संवेदना और कर्त्तव्य से बहुत दूर चले जाते हैं। दूसरी तरफ लोकविद्या के धनी भगत को तमाम कटु भावों के बीच किस तरह लोकविद्या नैतिक कर्त्तव्य की ओर खींच ले जाती है, इस संघर्ष को प्रेमचंद जी ने बखूबी इस कहानी में उकेरा है। कहानी के पाठ के पहले चिंतन ढाबा पर दो पेड़ों का पौधारोपण हुआ और लोकविद्या के बोल का गायन हुआ।
- सारनाथ में वनवासियों की एक बस्ती है जिसे विस्थापित करने का सरकारी आदेश है. 7 नवम्बर को वनवासियों की हुई सभा में लोकविद्या जन आन्दोलन ने पहल लेकर स्थानीय प्रशासन से वार्ता स्थापित की और इस बस्ती के लिए उपयुक्त स्थान दिलाने की अर्जी कर फ़िलहाल आदेश को रोकने का प्रयास किया है.
- अविरल और निर्मल गंगा के लिए सत्याग्रह में विद्या आश्रम ने पहल लेकर हरिद्वार स्थित मातृ सदन आश्रम में अविरल निर्मल गंगाजी के लिए तपस्या कर रहे स्वामी सानंद (प्रो.जी.डी.अग्रवाल) से मुलाकात की और उनके सत्याग्रह को समर्थन जाहिर किया और इस विषय पर अधिक चिंतन के लिए दर्शन वार्ता को चलाने की पहल लेने का तय किया. अगस्त में सुनील और चित्रा तथा अक्तूबर में लक्ष्मण और अन्य साथी स्वामी सानंद जी से मिले. वाराणसी में भी सामाजिक कार्यकर्ताओं ने एक दिवसीय उपवास कर सत्याग्रह किया जिसमें विद्या आश्रम की भागीदारी हुई.
- मध्य प्रदेश में इंदौर के लोकविद्या समन्वय समूह ने एक लोकविद्या यात्रा की पहल की. माह जनवरी 19 में इंदौर से पुणे तक की इस यात्रा में एक किसान, एक कारीगर और एक कलाकार ने हिस्सा लिया और हर पड़ाव पर ज्ञान पंचायत आयोजित कर 'लोकविद्या के बल पर जीने वाले सभी परिवारों को सरकारी कर्मचारी के बराबर, पक्की और नियमित आय हो' इस बात को रखा.

2. कारीगर ज्ञान पंचायत : 1 अगस्त को विद्या आश्रम के स्थापना दिवस पर आश्रम पर कारीगर ज्ञान पंचायत हुई. इस पंचायत में तीन प्रमुख वक्ताओं में फ़ज़लुर्रहमान अंसारी, अनूप श्रमिक और राजेंद्र सिंह ने 'कारीगर समाजों को सरकारी कर्मचारी के जैसी पक्की और नियमित आय हो' विषय पर अपना समर्थन जाहिर करते हुए इसके विविध शुभ परिणामों पर प्रकाश डाला. खुली चर्चा में कारीगरों ने इस मांग पर अपना समर्थन जाहिर किया और इस दिशा में विचार और कार्य को आगे बढाने की राय जाहिर की. देखें लोजआ ब्लॉग रिपोर्ट 2 अगस्त 2019.

3. किसान ज्ञान पंचायत : 9 सितम्बर को विद्या आश्रम पर किसान ज्ञान पंचायत हुई. इस पंचायत में प्रमुख वक्ता के रूप में भारतीय किसान यूनियन के वाराणसी मण्डल अध्यक्ष जितेन्द्र तिवारी, पूर्वांचल किसान समिति के योगीराज पटेल और हमाल कामगार संघर्ष समिति, मऊ के अरविन्द मूर्ती आमंत्रित थे.

विषय था 'किसान-समाजों को सरकारी कर्मचारी के जैसी पक्की और नियमित आय हो'. वाराणसी और आस-पास के किसान और सामाजिक कार्यकर्ताओं की भागीदारी में हुई. इस पंचायत ने इस मुद्दे पर एक ऐसी आय नीति बनाने और उसे सभी सरकारों द्वारा लागू करने की आवश्यकता को जाहिर किया जो इस दिशा में कारगर कदम उठाने की पहल लें. यह भी तय किया कि इस वर्ष की शरद पूर्णिमा को किसान कारीगर समाजों की एक पंचायत हो जिसमें ऐसी नीति बनाने पर रायशुमारी हो और पहल के कदम उठाये जा सके. देखें लोजआ ब्लॉग रिपोर्ट 21 सितम्बर 2019. गांवों और शहर की कारीगर बस्तियों में इस विषय पर ज्ञान पंचायतों का सिलसिला शुरू किया गया.

4. स्वराज दर्शन : उपरोक्त दोनों पंचायतों के बाद यह महसूस किया गया कि लोकविद्या के बल पर जीविका कमाने वाले तमाम कारीगर, किसान, आदिवासी समाजों की आर्थिक-सामाजिक स्थिति में बेहतरी के लिए यह ज़रूरी हैं कि आय के सवाल के विभिन्न पक्षों जैसे, कानून, नीति, व्यवस्था, शिक्षा, ज्ञान, अर्थ, बाज़ार, दर्शन सभी पर विचार हो. यह एक तरह से स्वराज दर्शन पर विचार की बात है. इस दिशा में चिंतन कार्य हुआ. स्वराज विद्यापीठ, इलाहाबाद में 9 अगस्त को सप्ताह भर चलने वाले सालाना उत्सव के उद्घाटन में सुनीलजी को मुख्य वक्ता के लिए आमंत्रित किया जिसमें स्वराज दर्शन के विचार को प्रस्तुत किया गया.

5. स्वराज ज्ञान पंचायत : शरद पूर्णिमा के दिन वाराणसी में गंगाजी के किनारे स्वराज ज्ञान पंचायत की घोषणा की गई. आय के सवाल से जुड़े विभिन्न पक्षों में से चार पक्षों पर विमर्श करना तय हुआ, ये हैं – दर्शन, नीति, व्यवस्था और कानून. इसकी तैयारी बैठक 9 सितम्बर 2019 को विद्या आश्रम पर हुई. इस पंचायत को सर्व सहमति से स्वराज ज्ञान पंचायत का नाम दिया गया. स्वराज ज्ञान पंचायत की आयोजन समिति का गठन हुआ. देखें लोजआ ब्लॉग रिपोर्ट 21 सितम्बर 2019. इस दौरान एक पुस्तिका के प्रकाशन की तैयारी भी की गई लेकिन अपरिहार्य कारणों के चलते यह पंचायत नहीं हो पाई.

6. आन्ध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती स्थित अमरावती इंस्टिट्यूट ऑफ़ सोशल साइंस ने सुनील जी को गांधीजी के शहादत के दिवस पर गाँधीजी के विचारों को विभिन्न सभाओं में प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया था. लोकविद्या दर्शन और स्वराज दर्शन पर तीन अलग-अलग स्थानों पर सभाएं हुईं जिनमें क्रमशः अमरावती के एक डिग्री कालेज के विद्यार्थियों, नागार्जुन विश्वविद्यालय के शिक्षकों और शोधकर्ताओं व सामाजिक कार्यकर्ताओं के बीच विस्तार से वार्ता हुई. तीनों सभाओं में सुनीलजी का प्रमुख भाषण रखा गया था. मूल स्थापना यह रही कि इस युग में गाँधी विचार सबसे तर्क संगत विचार है. इसे राजनीतिक, पर्यावर्णीय, दार्शनिक, सामाजिक इत्यादि सन्दर्भों में विस्तार से तर्कयुक्त तरीके से पेश किया गया. यह स्थापना की गई कि सामान्य जीवन और लोकविद्या में निहित तर्क इसी तरह के सत्यनिष्ठ व न्यायसंगत तर्क होते हैं.

7. वाराणसी में गंगाजी के तट पर दर्शन अखाड़े की स्थापना हुई. 8 मार्च 2019 को इस अखाड़े का उद्घाटन हुआ और समाज में दर्शन वार्ता की आवश्यकता को सामने रखा. देखें लोजआ ब्लॉग पोस्ट 12 मार्च 2019. 'काशी दर्शन के विविध अर्थ' विषय पर 23 मार्च 2019 को दर्शन अखाड़े पर एक गोष्ठी रखी गई जिसमें शहर के वरिष्ठ विद्वान पत्रकार अमिताभ भट्टाचार्य का प्रमुख वक्तव्य रखा गया. अध्यक्षता श्री विश्वास चन्द्र ने की.

8. **प्रकाशन :** अप्रैल-मई 2019 के लोकसभा चुनावों के समय कारीगर किसान पंचायत के नज़रिए को सामने लाने के लिए और इस दृष्टिकोण से देश का अजेंडा क्या होना चाहिए यह बहस में लाने के लिए मार्च और अप्रैल में 'कारीगर नजरिया' के अंक वाराणसी से प्रकाशित किये गए. लोकविद्या प्रपंचम (तेलुगु) के अप्रैल 2018 से जनवरी 2019 तक कुल 10 अंक हैदराबाद से प्रकाशित हुए.

9. **आश्रम समिति की बैठक :** हैदराबाद में 3 फरवरी 2019 को आई.आई.आई.टी., गाची बावली में विद्या आश्रम न्यास (आश्रम समिति) की बैठक की गई.

10. **इन्टरनेट :** डा. अभिजित मित्रा के पास आश्रम के इन्टरनेट के कार्यों को सम्पादित करने की ज़िम्मेदारी है. उन्होंने विद्या आश्रम की वेब साइट www.vidyaashram.org का नवीन प्रारूप सबके सामने रखा और सर्व सहमति से वेब साईट का नवीनीकरण किया गया.